गयी है, जबकि ऐसे क्षेत्रकों, जहां श्रम शोषण से अनुरक्षित हैं, में वैयक्तिक, दिहाड़ी मजदूरी कमाने वालों के लिए न्यूनतम मजदूरी लागू है, न्यूनतम मजदूरी और गरीबी विस्तार का कोई प्रत्यक्ष और तत्काल सम्बन्ध नहीं है, क्योंकि परिवार-दर परिवार कमाने वाले व्यक्तियों की संख्या में विभिन्नता है तथा साथ ही न्यूनतम मजदूरी सीमान्त किसानों पर लागू नहीं होता है;

(ग) से (ङ) भारत में गरीबी-रेखा, प्रभावी उपभोक्ता मांग व न्यूनतम आवश्यकताओं के अनुमानों पर टास्क फोर्स की सिफारिशों पर आधारित है, जिसने 1979 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी, गरीबी की रेखा को 1973-74 हेतु औसतन खपत बास्टक के लिए अपेक्षित प्रति व्यक्ति मासिक व्यय के रूप में परिभाषित किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति दिन प्रति व्यक्ति 2400 कैलोरी व शहरी क्षेत्रों में प्रति दिन प्रति व्यक्ति 2100 कैलोरी की कैलोरी आवश्यकता की पूर्ति होगी।

वर्ष 1987-88 हेतु गरीबी—रेखा के नीचे रहने वाले व्यक्तियों के राज्य-वार नवीनतम अनुमान विवरण में दिये गये हैं।

विवरण

वर्ष 1987-88 में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले व्यक्तियों की राज्य-वार संख्या

क्र०सं०	राज्य	गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले व्यक्तियों की संख्या (लाख में)
1	2	3
1.	आंध्र प्रदेश	165.16
2.	असम	37.44
3.	बिहार	278.12
4.	गुजरात	56.12
5.	हरियाणा	14.24
6.	हिमाचल प्रदेश	3.49
7.	जम्मू व कश्मीर	7.81
8.	कर्नाटक	117.05
9.	केरल	38.63
10.	मध्य प्रदेश	195.71
11.	महाराष्ट्र	183.67
12	उड़ीसा	119.61
13.	पंजाब	9.59
14.	राजस्थान	84.31
15.	तमिलनाडु	152.23
16.	उत्तर प्रदेश	389.35
17.	पश्चिम बंगाल	142.60
18.	अखिल भारत	2014.06

टिप्पणी: (1) 1 अक्तूबर, 1987 को जनसंख्या से संबंधित गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले व्यक्तियों की संख्या

(2) परिणाम (जुलाई 1987-जून 1988) के 43 वें दौर से संबंधित राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन उपभोक्ता व्यय के आधार पर है।

मध्यप्रदेश के गावों में विद्युत व्यवस्था का विस्तार

1921. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ग्रामीण विद्युतीकरण निगम को वर्ष 1993-94 से 1995-96 की अवधि के दौरान अपनी स्वीकृत योजनओं के अधीन मध्यप्रदेश के कितने गांवों में विद्युत व्यवस्था के विस्तार हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ख) उनमें से जिला-वार कितने गांवों में विद्युत व्यवस्था के विस्तार हेतु स्वीकृति प्रदान करके इस उद्देश्य के लिए वर्ष-वार कितनी धनराशि प्रदान की गई है;

(ग) राज्य में जिला-वार कितने गांवों में इस योजना के अंतर्गत विद्युत व्यवस्था का विस्तार किया गया है; और

(घ) ग्रामीण विद्युतीकरण के विस्तार के अंतर्गत स्वीकृत मानदंडों का ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्रालय में राज्यमंत्री (डॉ० एस० वेणुगोपालाचारी): (क) योजना आयोग राज्य सरकार के साथ परामर्श करके किसी राज्य के लिए सम्पूर्ण रूप में ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु प्रतिवर्ष वास्तविक एवम् वित्तीय लक्ष्यों का आबंटन करता है। मध्य प्रदेश में स्वीकृत ग्रामीण विद्युतीकरण निगम की स्कीमों के अन्तर्गत

गत तीन वर्षों के दौरान ग्रामीण विद्युतीकरण के लक्ष्य और उपलब्धियां निम्नवत हैं:—

क्र० सं०	वर्ष	ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु लक्ष्य	उपलब्धी
1.	1993-94	250	751
2.	1994-95	250	1019
3.	1995-96	350	503

(ख) ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु गांवों का जिलावार चयन राज्य बिजली बोर्डों द्वारा किया जाता है। मध्य प्रदेश को योजना आयोग द्वारा आबंटित की गई निधियों और आर०ई०सी० द्वारा अपनी वित्तीय सहायता के अन्तर्गत किया गया संवितरण नीचे दिया गया है। आबंटन और संवितरण में गावों का विद्युतीकरण, विद्युत नेटवर्क का विस्तार, पम्पसेटों का ऊर्जीकरण, हरिजन बस्तियों का विद्युतीकरण और प्रणाली सुधार स्कीमें आदि शामिल हैं:—

क्र० सं०	वर्ष	योजना आयोग (करोड़ रुपए) द्वारा अनुमोदित आबंटन	आर०ई०सी० द्वारा किया गया सैल वितरण
1.	1993-94	54.00	122.21
2.	1994-95	53.00	161.58
3.	1995-96	62.00	150.55

(ग) वर्ष 1993-94 से 1995-96 के दौरान मध्य प्रदेश में किए गए विद्युतीकरण गांवों का जिलावार ब्यौरा विवरण में दिया गया है। (नीचे देखिए)।

(घ) वर्तमान परिभाषा के अनुसार किसी भी गांव को उस दशा में विद्युतीकृत मान लिया जाता है, यदि किसी भी प्रयोजन से उस गांव में बिजली का उपयोग किया जाता है, चाहे वह गांव की राजस्व सीमा के अन्तर्गत आता है या नहीं।

विवरण

वर्ष 1993-94 से 1995-96 के दौरान मध्य प्रदेश में विद्युतीकरण की जिले-वार उपलब्धि

क्र० सं०	जिले का नाम	1971 की जनगणना के अनुसार		
		1993-94	1994-95	1995-96
01.	भोपाल	—	—	—
02.	रायसेन	20	23	08
03.	विदिशा	21	29	46
04.	सिहोर	—	—	—
05.	होशंगाबाद	16	18	02
06.	राजगढ़	21	59	23
07.	बैतूल	—	—	—
	योग	78	129	79
08.	ग्वालियर	—	—	—
09.	दतिया	—	—	—
10.	मुरैना	—	—	—
11.	भिन्ड	—	—	—
12.	शिवपुरी	—	—	—
13.	गुना	—	—	—
	योग	—	—	—
14.	इन्दौर	—	—	—
15.	धार	—	—	—
16.	झबुआ	27	42	—
17.	खांडवा	—	—	—
18.	खरगौन	6	10	—
	योग	33	52	—
क्र० सं०	जिले का नाम	1993-94	1994-95	1995-96
19.	उज्जैन	—	—	—
20.	रतलाम	—	—	—
21.	मंदसौर	—	—	—
22.	शाजापुर	—	—	—
23.	देवास	—	—	—
	योग	—	—	—

क्र॰ सं॰	जिले का नाम	1993-94	1994-95	1995-96
24.	जबलपुर	41	77	17
25.	मंडला	27	44	34
26.	नरसिंहपुर	—	—	—
27.	छिन्दवाड़ा	—	—	—
28.	सिवनी	36	30	12
29.	बालाघाट	5	10	—
30.	सागर	25	42	20
31.	दमोह	24	32	18
	योग	158	235	101
32.	रीवा	76	90	82
33.	सतना	34	75	—
34.	छतरपुर	—	—	—
35.	पन्ना	—	—	—
36.	टीकमगढ़	—	—	—
37.	शहडोल	28	50	80
38.	सीधी	—	—	—
	योग	138	215	162
39.	रायपुर	73	53	29
40.	दुर्ग	23	27	12
41.	राजनन्दगांव	38	39	14
42.	बस्तर	95	132	67
	योग	221	251	122
43.	बिलासपुर	59	43	18
44.	सरगुजा	32	45	04
45.	रायगढ़	32	49	17
	योग	123	137	39
	कुल योग	751	1019	503

Import of Naphtha

1922. SHRI RAGHAVJI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the estimated quantum of import of Naphtha and other allied petrol products during 1993-94, 1994-95, 1995-96 and 1996-97 by the private sector, year-wise;

(b) the estimated cost thereof as per the International Oil Trade market in terms of dollars and Indian Rupees, respectively;

(c) the average transport and cargo cost thereof in terms of dollar and Rupee, respectively;

(d) the number of import licences issued to private parties by Government, as on date;

(e) the details of terms and conditions and the names of licences; and

(f) the terms of contract and import deals framed by Government for private parties?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI T.R. BAALU): (a) As per information available with OCC the quantities of Naphtha and other petroleum products imported by the private parties during 1993-94, 1994-95, 1995-96 and 1996-97 (Upto end of June'96) are as under:—

(FIG IN TMT)

	1993-94	1994-95	1995-96	1996-97 (Upto June'96)
NAPHTHA	138.3	389.1	228.5	14.9
BENZENE	101.0	57.4	96.1	6.9
LUBES	100.9	267.4	243.6	85.0
CBFS	93.7	148.9	295.6	65.5
RPC/CPC	179.3	36.5	118.1	—